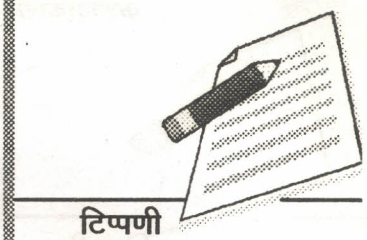

31

321hi31B

टिप्पणी

कशीदाकारी के टांके

कशीदाकारी कपड़े की सतह पर धागे के प्रयोग से की जाने वाली सजावट है। आप भी कशीदाकारी को डिज़ाइन, टांकों और रंगों के सावधानीपूर्वक किये गये चुनाव द्वारा कर सकते हैं। इससे अत्यंत आकर्षक प्रभाव उत्पन्न किया जा सकता है। थोड़ी–सी कशीदाकारी से आप पुराने कपड़ों में भी नयी जान डाल सकते हैं।

कशीदाकारी के सभी आधारभूत टांके काफी आसान होते हैं। कठिन या जटिल लगने वाला कार्य सोची समझी योजना का परिणाम होता है। कई आधारभूत टांकों के संयोजन से सुंदर एवं आकर्षक कशीदे का नमूना बनाया जा सकता है।

इस पाठयक्रम में पिछले पाठों को सफलतापूर्वक पढ़ने के पश्चात् आप निम्न प्रश्नों का उत्तर 'हाँ' में देने में सक्षम होंगे।

- क्या मेरा कशीदा पूरा है?
- क्या मैंने कशीदे के लिये उपयुक्त डिज़ाइन चुना है?
- क्या मेरा चुना हुआ डिज़ाइन उचित रूप से छोटा या बड़ा किया गया है?
- क्या मैंने डिज़ाइन की छपाई की उचित तकनीक का चुनाव किया है?
- क्या कशीदे के धागों का चुनाव रंग योजना के सिद्धान्त के अनुरूप हुआ है?

यदि इन सभी प्रश्नों का उत्तर दृढ़तापूर्ण 'हाँ' में आता है, तब कशीदे के लिये सही टांके के चुनाव का कार्य प्रारम्भ होता है। आइये, कढाई के विभिन्न टाँकों के बारे में जानें।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप निम्नलिखित कर पायेंगे:

- कशीदाकारी को प्रारम्भ करने की सही विधि का प्रदर्शन;

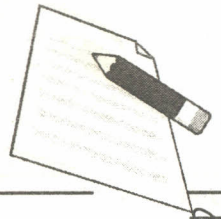

टिप्पणी

- कशीदे के आधारभूत दस टांकों को काढ़ना;
- अपनी कशीदा की गयी वस्तु को सही प्रकार की परिसज्जा देना;
- कशीदे के प्रत्येक टांके को काढ़ने की विधि का प्रदर्शन;
- चुने गये डिज़ाइन की कशीदाकारी के लिये उपयुक्त टांकों का चुनाव करना।

31.1 कशीदाकारी को प्रारम्भ करना

जब आप अपना कशीदाकारी का डिब्बा तैयार कर लें, कपड़ों के बारे में, डिज़ाइन और कशीदे के धागों के रंगों के विषय में सुनिश्चित कर लें, तब आप कशीदाकारी प्रारंभ करने के लिये तैयार हैं। कढ़ाई प्रारंभ करने से पहले अपने हाथ धोना और पोंछना न भूलें। इससे आपका कशीदा साफ और स्वच्छ बनेगा। यदि आपके हाथों में पसीना अधिक आता है तो आप बार–बार हाथ धो सकते हैं। कढ़ाई करते समय आप देखेंगे कि धागे में अलबेटे आ जाते हैं और गाँठ लग जाती हैं। ऐसी स्थिति में आप अपनी सुई को विपरीत दिशा में धागे के सीधे होने तक घुमा सकते हैं। यदि धागा फिर भी ठीक नहीं होता तो नया धागा लेकर कढ़ाई करना अधिक उचित रहेगा। हमेशा कशीदे को बैक स्टिच से प्रारंभ करें न कि गांठ लगा कर।

बैक स्टिचः यह बहुत मजबूत टांका है। इसे कशीदे की उलटी ओर से दायें से बायीं ओर को बनाया जाता है। सुई में धागा डालें, जहां से क़शीदे को प्रारंभ करना हो, वहीं से सुई को कपड़े में डालें। कपड़े के कुछ धागे लें और सुई और धागे को खींच लें। इसी प्रक्रिया को उसी स्थान पर कपड़े के कुछ और धागे लेकर दोहरायें।

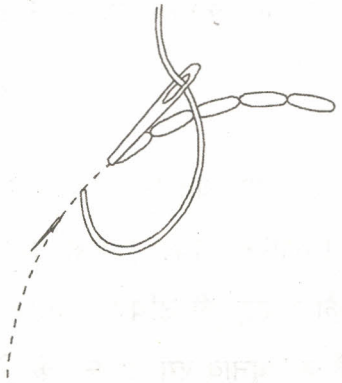

चित्र 31.1 बैक स्टिच

31.2 आधारभूत टांके

टांके से सुन्दर रेखाएं बनती हैं। इसके टांके को किनारों को काढ़ने और डिज़ाइन की पत्तियों की नसें व तने को बनाने के लिये प्रयोग किया जाता है।

इसमें सुई को डिज़ाइन की रेखा के दायीं ओर घुसाकर रेखा के बायीं ओर से निकाला जाता है। इससे बाह्य रेखा मोटी बनती है। इस टांके को भरने के लिये एक दूसरे के आस पास कई रेखाएं बना कर प्रयोग किया जाता है।

चित्र 31.2 स्टेम स्टिच

(ii) **साटिन स्टिचः** यह मूलतया भराई करने का टांका है। धागे को सामने और पीछे की ओर बराबर मात्रा में लगाया जाता है। यह टांका कशीदे को चिकनी फिनिश देता है। ये सीधे टांके हैं जो तिरछे लगाए जाते हैं। सीधे स्थानों पर ऊपर से नीचे तिरछे ढंग से टांका बनायें। छोटे वृत्त के लिये लम्बे खड़े टांके लगायें। पहले बीच में फिर दोनों ओर भरें। पत्तियों की आकृति के लिये बायें किनारे से तिरछी कढ़ाई करें।

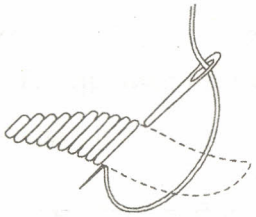

चित्र 31.3 सटिन स्टिच

(iii) **लौंग एण्ड शॉर्ट स्टिचः** यह टांका कई स्थानों पर एक ही या शेड वाले रंगों से भरने के लिये प्रयोग होता है। पहली पंक्ति लम्बी और छोटी टांकों से बनायी जाती है। बाद की पंक्तियां बराबर लम्बाई के टांकों से बनाई जाती हैं। बाद वाली पंक्तियों की नियमितता भरी जानी वाली आकृति पर निर्भर होती है। किसी भी स्थान को भरने के लिये टांकों को प्रयोग करने की योजना इस प्रकार बनायें कि वे स्वाभाविक और मनोरम लगें। कुछ टांकों की दिशा को पेंसिल से बनाना काफी फायदेमंद होता है। यहाँ भी सुई कपड़े के सामने और पीछे की ओर बराबर चलती है।

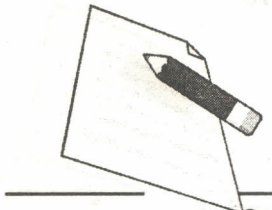

टिप्पणी

(iv) चेन स्टिच : कपड़े पर यह टांका जंजीर या चेन की भांति दिखाई देता है। यह ऊपर से नीचे की ओर बनाया जाता है। कपड़े से सुई को ऊपर की ओर लायें। धागे के फंदे को अंगूठे से पकड़कर सुई को उसी स्थान पर वापस डालें। सुई को ऊपर की ओर कुछ दूरी पर लायें। सुई के नीचे धागे के छल्ले को रखकर फिर से दोहरायें। यह टाँका भारी, वाह्य रेखाओं के लिये या भराई के लिये प्रयोग होता है। भराई के लिये चेन की कई पंक्तियां, आकृति की वाह्य रेखा के साथ बनाई जाती हैं।

चित्र 31.5 चेन स्टिच

(v) डार्निंग स्टिच : यह भी भराई का टांका है और टांका कपड़े के सामने की ओर ही दिखाई देता है।

सुई को सामने की ओर लाकर एक टांका लेकर सुई को नीचे ले जाया जाता है। फिर इसे पीछे की ओर से अगले ही धागे से उसी पंक्ति में बाहर लाया जाता है। यह साटिन स्टिच से भिन्न है जिसमें आगे और पीछे की ओर धागे एक समान ही रहते हैं। इस टाँके में केवल सामने की ओर ही टांके आते हैं।

(vi) हेरिंग बोन स्टिच : इसे हिन्दी में मछली टांका भी कहते हैं। इसे रेखाओं के बीच में बनाया जाता है। नीचे की रेखा से धागा ऊपर की ओर लाकर सुई को ऊपर की रेखा में थोड़ी दायीं ओर को डालिये, और बायीं ओर को एक छोटा टांका लीजिये। सुई को नीचे की रेखा पर थोड़ा दायीं ओर को लेकर बायीं ओर को एक छोटा टांका लें। इस टांके को मोटी सीवन के लिये या दो ठोस स्थानों को कोमलता पूर्वक जोड़ने के लिये प्रयोग किया जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि नीचे और ऊपर के धागे एक दूसरे के साथ गुंथे हुये हैं।

(vii) बटन होल या काज स्टिचः इस टांके की सबसे आम पहचान कमीज के बटन का काज है जिसमें बटन को बंद किया जाता है। काज के खुले हिस्से को जिस टाँके से फिनिश किया जाता है, उसे काज स्टिच/बटन होल स्टिच कहते हैं। इसे बायीं ओर से दांयी ओर को बनाया जाता है। कपड़े से सुई को ऊपर लाइये। धागे को बायें अंगूठे से पकड़कर एक फंदा बनाइये, फिर कपड़े के बीच से सुई को फंदे के नीचे से लायें और यही प्रक्रिया दोहरायें। ये टांके एक दूसरे के काफी पास–पास बनाये जाते हैं।

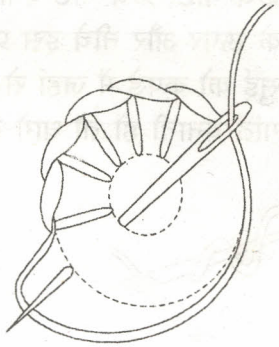

चित्र 31.7 बटन होल स्टिच

इस टाँके को किसी स्थान को भरने के लिये या किनारों को फिनिश करने और खासकर पैच वर्क बनाने के लिये प्रयोग किया जाता है।

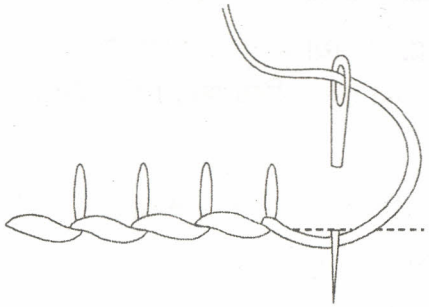

चित्र 31.8 ब्लैंकेट स्टिच

(viii) ब्लैंकेट स्टिचः यह टाँका बटन होल स्टिच से काफी मिलता जुलता है। अंतर सिर्फ यह है कि इसमें टांके थोड़ी दूरी पर होते हैं। कम्बलों और कालीनों के किनारों को इस स्टिच से बंद किया जाता है।

(ix) क्रॉस स्टिचः ये टांके कपड़े पर 'X' आकार बनाते हैं। इन टांकों को सुई से ऊपर से नीचे की ओर बनाया जाता है। सुई को बायीं ओर लाकर छोटे छोटे समान्तर टांके इनकी लम्बाई के बराबर ही चौड़ाई में लगायें। धागे को दृढ़ता से खींच लें। इससे टांकों के बीच तिरछे टांके बनते हैं। जब पंक्ति

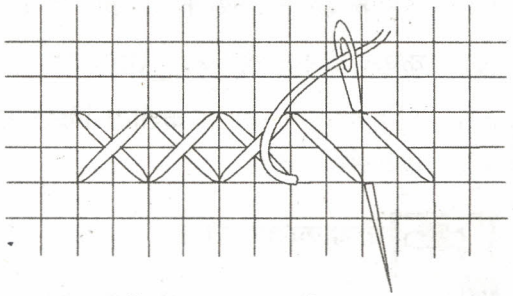

चित्र 31.9 क्रॉस स्टिज

टिप्पणी

(x) **फ्रेंच नॉट:** फ्रेंच नॉट बनाने के लिये कपड़े से सुई का ऊपर लायें। धागे को सुई के ऊपर और नीचे इस प्रकार लपेटें कि पहले वाले टांके को यह क्रॉस कर लें। सुई को कपड़े में जहां से इसे ऊपर लाया गया था उसी के पास डालें। यदि बड़ी गांठें बनानी हों तो धागे को दोहरा कर लें।

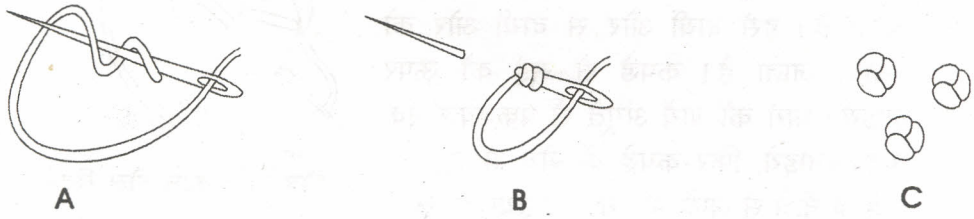

चित्र 31.10 फ्रेंच नॉट

31.3 कशीदा किये गये कपड़े की परिसज्जा/फिनिशिंग

कशीदा करते समय और करने के बाद, कशीदा की गयी वस्तु को आखिरी परिसज्जा दी जाती है ताकि वह कपड़ा साफ और सुंदर लगे। इसके लिये आप निम्न बिंदुओं को ध्यान में रख सकते हैं।

(i) कशीदाकारी को समाप्त करने के लिये बड़ी गांठ न लगायें। कशीदे की पिछली ओर भी सामने वाले भाग की तरह ही सफाई रखें।

(ii) पिछली ओर के अतिरिक्त धागों को काट दें।

(iii) कशीदाकारी वाली वस्तु को ड्राइक्लीन करवा लें क्योंकि कशीदा करते वक्त कपड़ा गंदा हो जाता है।

(iv) कलफ करके फिर कपड़े को इस्त्री करें।

(v) कपड़े के किनारों को तुरपन या जाली बनाकर बन्द करें।

(vi) यदि वस्तु में ज्यादा कशीदा किया गया हो तो इसे मलमल के कपड़े में लपेट कर संभल दें।

क्रियाकलाप 31.1

I. सूती कपड़े का एक आयताकार कपड़े का टुकड़ा लें। सुई और सूती धागा लें। (2 से 3 प्लाई) कैंची, कागज और पेन लें।

इस पाठ में बताये गये सभी टांकों को कपड़े पर बनाकर प्रत्येक टांके का नाम बताइये। इस सैम्पल के कपड़े को भविष्य के संदर्भ के लिये संभाल कर रखें।

क्रियाकलाप 31.2

जब आप सैम्पल के कपड़े पर सभी टांके बना लें तब किन्हीं पांच टांकों को लेकर दो सुंदर रूमालों पर कशीदा करें या एक सुंदर सैम्पल बनाएं।

पाठगत प्रश्न 31.1

1. प्रत्येक संवर्ग में सोचकर एक वस्तु के बारे में लिखें जो प्रत्येक अक्षर से प्रारंभ होती है।

   (a) अपनी कशीदाकारी को प्रारंभ करने के लिये आपके पास होना चाहिये

   (i) न .... (ii) क .... (iii) धा ....

   (b) ये भराई के टांके हैं।

   (i) सा .... (ii) लौं .... (iii) डा ....

   (c) इनके सावधानीपूर्ण चुनाव से सुंदर परिणाम प्राप्त होंगे

   (i) न .... (ii) क .... (iii) श ....

पाठान्त प्रश्न

1. ऊमा बच्चे का कम्बल बहुरंगी तितलियों से काढ़ रही है।

   (a) उन दो टांकों का सुझाव दीजिये जिन्हें वह तितली के नमूने को भरने के लिये प्रयोग कर सकती है। अपने चुनाव के कारण लिखिये।

   (b) किनारों को बन्द करने के लिये उसे कौन सा कशीदाकारी का टांका प्रयोग करना चाहिये? क्यों?

2. आप मैटी से एक शॉपिंग बैग बना रहे हैं। आप कशीदाकारी का कौन सा टांका प्रयोग करेंगे? क्यों?

आपने क्या सीखा

कशीदाकारी —प्रारंभ होती है→ बैक स्टिच से

कशीदाकारी ↓

प्रकार →
- स्टेम स्टिच
- साटिन स्टिच
- लौंग एण्ड शॉर्ट स्टिच
- चेन स्टिच
- डार्निंग स्टिच
- हेरिंग बोन स्टिच
- बटन होल स्टिच
- ब्लैंकेट स्टिच
- क्रॉस स्टिच
- फ्रेंच नॉट

कशीदाकारी वाली वस्तु को परिष्कृत करना न भूलें।

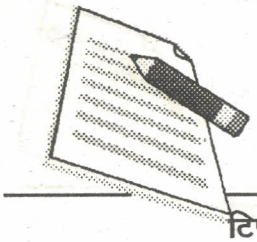

टिप्पणी

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

31.1

(a) (i) नमूना (ii) कपड़ा (iii) धागे।

(b) (i) साटिन स्टिच (ii) लौंग एण्ड शॉर्ट स्टिच (iii) डार्निंग स्टिच

(c) (i) नमूना (ii) कशीदाकारी का टांका (iii) रंग।